

**अनुच्छेद 18 - धारा 48**  
**आदेश पत्रक**  
**(वेधे अमिलेख हस्ताक, 1941 का नियम 129)**

आदेश फलक ता० ..... से ..... तक

जिला-सिमडेगा ..... सं० ..... सन् 2000

केस का प्रकार अनुमति पाद सं० 52/19-20 / 2019-20

धारा 48 के अन्तर्गत

रा के क्रम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की कार्रवाई के बारे तारीख सहित टिप्प
-------------------------------	--------------------------------	--

116/19

आवेदक भूषण बंडा  
 पिता/पति स्व० श्री २२ बंडा ग्राम सीजडा पेदिमा टोली  
 धाना सिमडेगा जिला-सिमडेगा ने निम्नांकित विवरण  
 की भूमि को प्रस्तावित क्रेता अमिता कुजूर  
 पिता/पति स्व० जोहन देवो  
 ग्राम सेवई मपरा टोली धाना सिमडेगा  
 जिला-सिमडेगा, को छोटानागपुर कारतकारी अधिनियम, 1908 की  
 धारा-48 के अन्तर्गत यके विक्री हेतु अनुमति के  
 त्रिमित आवेदन पत्र अर्पित किया है। क्रेता एवं विक्रेता का प्रतिशपथ  
 पत्र के साथ अधिवक्ता की नियुक्ति पत्र भी जमा की गई है।

**भूमि का विवरण**

मीजा	धाना/धाना न०	खाता सं०	प्लॉट सं०	रकबा
गजगा	<u>सिमडेगा</u> 82	3	1806	0.67 एकड़ में 9 0.27 एकड़

कुल आवेदित रकबा (शब्दों में) सत्तर सत्तर सत्तर मात्र।  
 आम इस्तहार निर्गत करें। साथ ही अधिवाधिकारी, सिमडेगा  
 से विस्तृत जीघ प्रतिवेदन की मांग करें। अभिलेख दिनांक 17/6/19  
 को रखें।

भूमि सुधार उप समाहर्ता,  
 सिमडेगा।

17/6/19  
5/9/20

अभिलेख उपलब्ध। अपरिहार्य  
कारणों से अभिलेख आज उपलब्ध  
किमा जाया। कोई परीक्षा नहीं पड़ी।  
अंचल अधिकारी सिन्डेगा से  
जांच एवं नाकिला प्रतिवेदन प्राप्त हैं।

अभिलेख दिनांक 21.9.20 का रखें।



L.R.D.C  
Simdega

21/9/20

अभिलेख उपलब्ध। कोई परीक्षा नहीं  
पड़ी। अंचल अधिकारी सिन्डेगा से  
जांच एवं नाकिला प्रतिवेदन प्राप्त हैं।  
अभिलेख दिनांक 23/9/20 का रखें।

L.R.D.C  
Simdega

23/9/20


अभिलेख उपलब्ध। कोई परीक्षा नहीं  
पड़ी। अंचल अधिकारी सिन्डेगा से  
जांच एवं नाकिला प्रतिवेदन प्राप्त हैं।  
अभिलेख दिनांक 7/10/20 का रखें।

L.R.D.C  
Simdega

अपरिहार्य कारणों से क्षमिकैलत उपस्थापित । संजल  
 अधिकायि सिमडेगा के ढाल तामिला प्रतिवेहन अप्राप्त ह<sup>ं</sup> ।  
 इय वाह में आवेहव शयवा आवेहव के विद्वान अधिवक्ता  
 ढाल एक लम्बी अवधरी के अहतवाल तक ढोई पैली नही  
 की जा रही ह<sup>ं</sup> । येया प्रतीत होत ह<sup>ं</sup> कि आवेहव का इय  
 अनुमति वाह में अविन धूमि की कियी हेतु ढोई अधिरूपि  
 आवेहवता नही ह<sup>ं</sup> । इय स्थिति में क्षमिकैलत की  
 अक्षीत कारणों वाह-वाह कला प्रारंभिक नही  
 लवा रही ह<sup>ं</sup> ।

अतः इय अनुमति वाह का एक पलीय  
 पुनवाह करत इय वाह की वाह-वाह-समाप्त  
 की जाती ह<sup>ं</sup> ।

क्षमिकैलत क्षमिकैलतवाजाल में अयत करेग

धूमि  समाहती  
 सिमडेगा